SPARKING SHAYRI

Sparking Shayri

GIRISH B NAGAR

BlueRose ONE.com DIY
Stories Matter

© Girish B Nagar 2023

All rights reserved by the author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the prior permission of the author.

Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the author and publisher assume no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of the information contained within.

Title: Sparking Shayri
Language: Hindi and Gujarati
Character set encoding: UTF-8

First published by

BlueRose ONE.com DIY
Stories Matter

An Imprint of BlueRose Publishers

Head Office: B-6, 2nd Floor,
ABL Workspaces, Block B, Sector 4,
Noida, Uttar Pradesh 201301
M: +91-8882 898 898

BlueRose ONE .com
Stories Matter
DIY

Dedication

Write or paste your content he

…

Acknowledgements

Write or paste your content here…

Sparking Shayri

1

चूमते हैं जो बच्चोको प्यारसे,
उचा है कद उस पिताका आसमासे,
और जो बिना छुए ही चूमते हैं,
कुछ नहीं आसमा तो उनके सामने,
उच्चा हे कद उस पिताका खुदासे.

2

एक ही दिन में सुई धागे की एहमीयत
समझ गए
एक दिन वो सूरत क्या गए हम उनकी
सुरत को तरस गए.

3

ना जाने फिर कब, जगेगी किस्मत मेरी,
और ना जाने कब, पास आना होगा तेरे.
इसी इंतजार में रुक ना जाए कहीं,
सांसो के फेरे,
ना जाने फिर कब, कदम पडेंगे तेरे,
मेरी राहमें,
रुक ना जाए कहीं, सांसो के फेरे,
इसी आहमे

4

यु ही में जज्बाती नहीं हु,
खून जल कर, आँसु बन निकल आता है
जब कोई दुखी नजर आता है.

5

यूंही नहीं मोहब्बतमे हमे छोड़ा गया
पहले तो जज्बातों को हमारे मरोड़ा गया
फिर धोखे के हथोड़े से दिल को मेरे तोड़ा गया

6

दिल को दुनिया का दस्तूर नहीं आता,
क्या करू बेईमानो सा हुनर नहीं आता.

7

कातिल नजरो के मांझे से,
पहले तो पतंग को हवा डाली,
जब इश्कके आसमानों की ऊंचाईओ पर
पतंग उड़ी तो,
बेवफाने धोखे के खंजर से काट डाली.

8

न जाने कहां कब, होगी तुझसे मुलाकात
न जाने कहां कब, सोएगी ये जुदाई की रात.

9

आसमान में चमकता कोई, सितारा मिला
महोब्बत मे मेरी कश्ती को, तेरा सहारा ना मिला.

10

डूब गई कश्ती मेरी,
मोहब्बत के समंदर में,
धोखा दे दिया मुझे तेरे,
प्यार की लहरों ने.

11

दिल से दुआ है हमारी
के जोड़ी हमेशा सलामत रहे तुम्हारी
चाहु मे, ये दुआ सो साल बाद भी करू
खिदमत तुम्हारी.

12

लोग अक्सर मोबाइल से मोबाइल लगाकर बात करते हैं,
लेकीन हम सीधे दिल से दिल लगाकर बात करते हैं.

13

इजाजत दी नहीं जाती, गैरों को,
और निभाई जाती है वफा उनसे
जो एतबार के लायक हो

14

जंगे मैदान में होवे न उस योद्धा की हार,
बल के साथ बुद्धि भी हो जिस का प्रहार.

15

कद,काठी,और बुद्धी मे बड़ा बड़ा करन,
ना हो कोई बड़ा,
दान,धरम,पुण्य करे सो,
उसकी होवे बड़ाई.

16

देखण देखण मे चालू कर दी हमने लिखाई
हमे क्या पतो थो के, उसके लिए भी लगे हैं पढ़ाई.

17

माना ये माना के तू है मारी लूगाई
पर ये मनका काई करू,
वो बुद्धि से, करावे है मनाई.

18

आज फिर दिल का दर्द आँखों से छलक आया
तुझसे बिछडने का सपना जो आया.

19

गैरों की क्या बात करे
यहां तो खुद से भी चौकन्ना रहना पड़ता है.

20

बेरूखी जिंदगी की जरूर झुकेगी,
अगर हिम्मत हमारी ना टूटेगी.

21

अब तो डर है कि मौत ना बन जाए, ऐब
और जिंदगी बिन तेरे, फरेब.

22

फिक्र की फिक्र, कहा है,
है फिक्र सिर्फ ये की,
रूसवाह हो जाए तू,
एसा ना कर दे कोई जिक्र.

23

दे दिया करो परवाना हमे

करीब आने का तुम्हारे,
और मांगा ना करो आकर करीब दूर,जानेका.

24

कशिश है ये केसी प्यार की तेरे, ओ मेरी हूर
जल रहा हूं जेसे आगकी लपटों में होके तुझसे दूर.

25

न जाने कब आएगा, जहेनमे तेरे
मेरा भुला हुआ प्यार,
अब तो वहेम से बाहर आजा, मेरे यार.

26

ये नादान किस बात का है तुझे गुरुर
पड़ेगी आखिर में चार कंधे की ही जरूर.

27

सुखी लकड़ी सी लगने लगी है जिंदगी
तेरे इंतजार मे जलकर.

28

50 रूपये देकर भी, चा आती है चुस्की मे,
छेद छेद ही छेद हो गए, गरीब की कश्ती में.

29

અહીં મતલબુનો મેલ લુછીને સૌ સૌના રસ્તે
ભાગે છે, એટલે જ તો,

સ્વાર્થી લોકોના જીભની મીઠાસ હૈયે વાગે છે,
અને, સંબંધ અહીં સૌને પગલૂછણીયુ લાગે છે.

30

जो हो इबादत परवर दीगार की हो पाक
तो पस्त होते हैं तूफ़ानों के इरादे नापाक
और आग को भी होना पड़ता है राख.

31

दिल में एक आग सी जलती
जब्र तेरी जुदाई; दिल को खलती,
आँखों में आंसुओ की लहरे पलती
न जाने अमावस्या से पूनम कब होगी,
और ठीक होगा कब; तेरे प्यारका रोगी.

32

मांग लिए किसीने ग़म हमारे,
एसे कैसे दे दें किसी को, ग़म हमारे
आखिर तो; जी रहे हैं हम भी तो, उसी के सहारे.

33

ना किनारा मिलेगा ना सहारा,
तूफ़ानों के समंदर में;
हमारी कश्ती को,
भूल गए जो हम हमारी;
इंसानियत की हस्ती को.

34

डूबते को, तिनके का सहारा ही काफ़ी होता है,

बचाने के लिए,
और डूबते को, तिनके का भार ही काफ़ी होता है,
डुबाने के लिए.

35

नहीं मिलता आराम जिस्म को,
होता है जिस दिन 'काम'
और नहीं मिलता शुकुन दिल को
होता नहीं है जिस दिन 'काम'

36

खंडहरो की बात हो गई पुरानी,
तबाहियों देख कर भी तो,
अंदाजा लगाया जा सकता है कि,
हुस्न का सैलाब रहा होगा कैसा.

37

मैं जहर भी पीता हू तो अपने रिस्क पे,
और जान भी लुटाती हू तो अपने इश्क पे.

38

जिस्म में जवानी झुकती नही
और इश्क की रवानी रूकती नहीं.

39

यू ही बरसो गुजर जाएंगे,
और कुछ न कर पाएंगे,
जो तुझसे इजहार न कर पाएंगे.

40

या खुदा सदा खुश रखना मेरे दिलदार को
चाहे करे बेवफाई बार-बार वो.

41

महब्बत के समंदर में मेरे प्यार की कश्ती को,
न मिला साहील,
बड़ा ही बेदर्द निकला मेरा, मल्लाह ज़ालिम.

42

काश देख पाते हम, खूब सूरत आइने को जॉ है छुपे आपकी पलकों के पीछे,
बेताब हैं हम भी मरने को देख कर,
उसमे तस्वीर अपनी.

43

तुमसे प्यारा कोन है पूरे जहान मे,
तेरे बगैर क्या है हालत मेरी, आके देख यहा पे.

44

इश्क का ना कोई दिन होता है,ना ही कोई तारीख,
और नाही कोई वक़्त,
वो तो कहीं भी कभी भी,
रात हो या दिन हो जाता है, कमबख्त.

45

बगैर दम के नहीं फटता है बम,
और, बगैर अल्कोहल के नहीं चड़ता रम.

46

पागल होती है दुनिया हर उस इन्सान के पीछे,
जो होता है कामयाब,
मेरी तो बस आरज़ू है इतनी के,
मैं हो जाऊँ तेरे इश्क में नायाब.

47

मैं अगर जहर खाना चाहु भी तो, बेशक खा शकता हू,
अपने हाथ से,
लेकीन बेशर्मी की हद तो तब होती है पार,
जब मैं किसी और से कहु के, तु भी खा साथ मे.

48

प्यारमे इस कदर मजबूर हुए कि,
जिस को चाहा उसीसे दूर हुए,
प्यार के जो देखे थे सपने,
वो सारे शीशे से चूर हुए.

49

खुदा तो मिलता है इन्सान नहीं मिलता,
ये वो चीज़ है जो देखी है मैंने कहीं-कहीं.

50

जगाता नहीं ऐसे ही शेर, चूहों की ललकार से,
जगाता जरूर है,अगर कोई, शेर ललकार ले.

51

नजाकत हसीनों का फ़रेब है
और उसमे फ़सना हमारा ऐब है.

52

दर्द को भी अब दर्द होने लगा,
दर्द खुद ही मेरा घाव भरने लगा,

जहा दर्द के मारे हम तो न रोए थे कभी,
दर्द खुद ही हमे छू कर रोने लगा.

53

कोई आँखों-आँखों से बात कर लेता है
कोई आँखों-आँखों से मुलाकात कर लेता है
मुश्किल होती है है तब, जब कोई,
खामोश रह कर भी सवाल कर लेता है.

54

ખબર ન હતી કે જિંદગીને રંગત મળી જશે,
તમારા સ્નેહની સુંવાળી સંગત મળી જશે,
દિલ ખોલી શકાય જેની પાસે પ્રેમથી,
એવું કોઈ જગતમાં અંગત મળી જશે.

55

जागता नहीं ऐसे ही शेर,चूहों की ललकार से,
जागता जरूर है अगर कोई, शेर ललकार ले.

56

फलक को ज़िद है जहा बिजलियां गिरानेकी,
हमे भी जिद है; वहा आशियां बनानेकी.

57

फूल कली से निकलता है,
और झुकना डालिको पड़ता है,
प्यार होता है निगाहों से,
और तड़पना दिल को पड़ता है.

58

सिर्फ चाहने से बात नहीं होती,
सुरज के साथ कभी रात नहीं होती,

हम चाहते हैं जिसे जान से भी ज्यादा,
सामने तो होते हैं वो, लेकीन बात नहीं होती.

59

कई राज एसे होते हैं जो, बताए नहीं जाते,
कई दिल एसे होते हैं जो, तोड़े नहीं जाते,
और कुछ आप जेसे दोस्त होते हैं जो,
छोड़े नहीं जाते.

60

दिल की गालियों मे कोई ग़म न हो,
हमारी ये दोस्ती कभी कम न हो,
बस यही दुआ है कि, तुम सदा खुश रहो,
क्या पता, कल हम न हो.

61

आँखों में आंसू की लहर बन गई,
सोचा नहीं था एसी तकदीर बन गई,
हमने तो यू ही, फिराईथी उंगलिया रेत मे,
गौर से देखा तो तेरी तस्वीर बन गई.

62

कोई वादा नहीं फिरभी तेरा इन्तज़ार है,
जुदाई के बावजूद भी तुझसे प्यार है,
बता रहे हैं तेरे चहरे के आसार की,
मुझसे बिछड़ के तू भी बेक़रार है.

63

महबूबा का होता है जब दीदार,
तब जाके आता है दिवाने की सूरत पे निखार,
वर्ना तो,दिल भी होता है दिवाने के खिलाफ.

64

दर्दे दिल में बज रहा है तेरी जुदाई का आलाप,

डर है कि अब तो बह न आए आँखों से सैलाब.

65

ये जो है हुस्न वालो की,

नजाकत भरी अदाएं है,

प्यार मे दिल को लुभाये है,

जुदाई मे बनके तीर चुभोये है,

ज़ालिम हुस्न वालो की बेदर्द अदाएं.

66

हम बदल जाए, ये, है;नामुमकिन,

चाहे ज़माना बदल जाए, ये है मुमकिन,

नामुमकिन; मुमकिन हो जाए, ये है मुमकिन,

फिर हम, बदल जाए ये है नामुमकिन.

67

दर्द मे तो दवा; होती है, काम की,

और दिल के दर्द मे, महफिल शाम की.

68

जिन के घर नहीं होते हैं, उनका तो पूरा जहान आशियाना है,

उनके आशियानने की छतपे तो, पूरे कायनात का रखवाला है.

69

जंगल का शेर तो, रोज घुम लेवे है;जंगल में,

मगर शायरी का शेर तो मन का शेर है,

घंटों,दिन,या महीने भी लगावे है,

आने को, मन के जंगल में.

70

महसूस होने ना दे कमी, दुश्मन की,
एसे दोस्तों से तो, वो दुश्मन ही अच्छे,
जो करदे पूरी दोस्तो की कमी.

71

हम वो बवंडर है;जो आँधी को उड़ा ले जाए,
और कमंडल है;वो, जो समंदर को समा ले आए.

72 17/2

देखा जब उसे राहपे मेरी आते,
उमंग से उमड़ी दिल में हजार बातें,
दफ़्न हो गई, दिल में वैसी की वैसी वो बातें,
देखा जब उसको, मेरी ही राह पर,
किसी ओर के संग जाते.

73

प्यार से पीला दे साकी एक गिलास
क्या पता कब हो जाए खलास,
और दिल मे रह जाये एक प्यास,
के काश साकी ने पीला दिया होता एक गिलास.

74

याद रहता है अक्सर वहीं,
चल जाता है जो हो सही, फिर मेरी भूल कहा हुई,
के तू मुझसे जुदा हुई.
फिर मिली ना तू मुझको कहीं,
के तलाश मेरी पूरी अब तक ना हुई,

75

हम वो चिंगारी है, जो अगर हवा मिल जाए तो,
बारूद जला दे,
और चट्टान भी सामने हो तो, उसे उड़ा दे.

76

जिसको, हमसे है.....
उसे तो चल जाता है थोड़े मे ही, लेकिन,
हमको जिसे है, उसे तो बेपनहा भी कम पड़ता है, इश्क

77

बेसफर हो गया सफर,
जाना था, शुकुनगर,
और पहुंच गए, उलझने आशियाना.

78

दिल में भक्ति, भूतनाथ की,
अब ना ही दिल में डर कोन जात का,
मल्लाह मेरा, शिव; मेरी जिंदगी की नाव का.

79

शायरों की बस्ती में हमे ना मिली पहचान अभी तक,
गुमनाम शायर ही सही, लेकिन हम भी पहुंच गए हैं,
दिल की गहराईओ तक.

80

मुस्करा दे यार मेरे, किसी और के लिए ही सही
तेरा सच्चा हम सफर है वहीं, खो न दे कहीं,
तस्वीर उसकी दिल में ही सही, है तो कहीं,
रहेगी सदा-सदा के लिए वहीं ही वहीं.

81

सवाल तो आज भी वहीं है, जो मुझे सताता है,
लेकीन, दौर एसा चल रहा है यारों,
जिसका रहा नहीं मेरे जेहन मे ख्याल,
क्या करूंगा अगर मिल भी जाये, वो सवाल - जवाब.

82

दिल का आशियाना होता है कांच का,
मरने के बाद तो देर तक जलता रहता है इंसान,
लेकीन दिल टूटते ही,
पल में ही ग़म की आग में खाक हो जाता है इन्सान.

83

हमे भी कहते हैं लोग, है हम लाखों मे एक,
देते नहीं है हम, किसी को भी ब्रेक,
ऐसे केसे कह दिया 'किसीने ' की,
उनको उनके अलावा कोई नहीं भाता,
जब कि हमारा 'किसीसे ' हुआ नहीं नाता.

84

मैं सबमे हु, ना कोई मेरे बगैर,
हसता, बोलता, खेलता और निरंतर निहारता तुम्हें,
वो 'मैं' ही तो हु, क्या है मेरे बगैर,
पाया सब कुछ उसने, जाना मुझे जिसने,
जान लो ये तुम भी, के, क्या हो तुम मेरे बगैर.

85.

सोच के बोलते हैं, तौल के नहीं,
कड़वाहट होगी जरूर जिह्वा पे,

दिल में नहीं.

86

जितनी भी है बाकी,
उतनी ही, है काफी,
क्योंकि,
जिंदगी का काम ही है जाना,
और मौत का काम है आना.

87

हमारी इतनी हिम्मत कहा
कि हम जिद करे
न जाने खुशिया फिर भी
आने मे क्यू इतनी देर करे.

88

ફૂલો ની મહેક આગળ કાંટા ના સ્પર્શ ની કોણ રાખે છે પરવાહ અહીં,
ને જો મળી જાય મહેક સાથે ફૂલો નો રસ તો સોનામાં સુગંધ જાય ભળી,
ને જીંદગી ઝરણા સમી સુખે થી જાય વહી.

89

ભાવનાઓનો ના વાદ થાય ના
અનુવાદ થાય,
ઘણું છે જો કોઈ ભાવનાઓના,
કદરદાન થાય.

90

છે જગ્યાની ક્યાં કોઈ પરવાહ, મને,

ઉડાડો ઉંચા નીલ ગગનમાં,
કે ડુબાડો દરિયામાં,
ભીંજાયેલો રહેવા તૈયાર છું,
કોરી રેતીમાં પણ,
તમારા જેવા સુંદરીની પાપળોમાં,
જો મળે સ્થાન.

91

जिंदगी में बहुत सारे जवाबो का सवाल है यही,
कि आप अपनी जगह सही है वो अपनी जगह सही,
लेकिन कमबख्त, एसा कुछ बीच में है जरूर,
जो जगह पे तो है, लेकिन अपनी जगह नहीं.

92

अगर मालिक कहीं मिल जाए तो
मेरा पता दे दीजियेगा,
क्योंकि, मिट्टी के घरका कुछ हिसाब मेरा भी बाकी है.

93

जिंदगी एक किताब ही तो है,
हे आसान जितना पढ़ना,
उतना ही मुश्किल उसे समझना
है; यहा अरबों की बस्ती,
फिरभी हो रहा है, हर एक पन्ना
उसका पस्ती,
हे फिरभी किताब ए जिंदगी,
सब से किमती.

94

જો સપના, ના; આવે પથારીમાં, તો; પથારી બદલો,

પણ પોતાના સપના પૂરા કરવા,
કોઈની પથારી ના ફેરવો.

95

अपनों के बिना जिंदगी नहीं होती,
चाहे जेबमें हो कितने भी; हीरे-मोती.

96

जिंदगी ही वक़्त हे, और,
वक़्त ही जिंदगी है
यहा जिम्मेदारीओ की लिस्ट ही
इतनी हे कि, फ़रमान मौत का,
पढ़ने का वक़्त ही है कहा,
मरना तो है जरूर लेकिन,
जिम्मेदारियां खत्म होने के बाद
मरेंगे कभी फुर्सत से,
तो मौत को कोई शिकायत न होगी.

97

अगर जिम्मेदारी और जवाबदारीयोंमे अगर प्यार की खुशबु भर दी जाए तो ना रूठने की नौबत आती है और ना ही थकान का एहसास होता है.

98

थोड़ी सी लकड़ियों मे राख हो जाता है,
न जाने फिरभी नखरे हज़ारों करता इंसान है
नादा हे वो की समझ नहीं पाता कभी,
अपनी औकात.
मरने के बाद भी जल्द,ठंडी नहीं पड़ती,
उसकी राख.

99

जोश के साथ ज़ज्बात का करीना हो माहिर जिसका,

उसकी शायरी ए सफ़ीना होता है, मशहूर उसका.

100

हसीना महकती हो और दिवाना ना बहके ये, हो नहीं सकता,

फूल महके और भौरा ना गुनगुनाये, ये हो नहीं सकता.

101

શમણાં જુએ છે આંખડીયુ ને, પાપણુંને ભાર લાગે,

ગઈ છે વાટમાં તારી હજુ માંડ વેળા ને,

સદીઓની વણઝાર લાગે.

102

तोते होते तो पिंजरेमें होते आज,

अड़ियल है तभी तो आसमानों मे उड़ते हैं, हम बाज़.

103

मैं रहना चाहता हूं सदा अपनी नजरो मे उठकर,

के जी नहीं सकता किसी की नजरो मे गिरकर.

104

हुए न हम कभी फ़ुटबॉल की तरह गोल,

डर था कि, उछालते ना फिरे यहा से वहा लोग,

इसी लिए क्यूटसा क्यूब बन गए,

फिरभी पासा बनाके मुझे गेम पे गेम,

मेरी ही, खेले जा रहे हैं लोग.

105

मैं शराब पी रहा है, और देख रहा हू की,

शराब मुझे पी रही है, क्यों कि,

पी ने के बाद मेरी जिंदगी, मेरी नहीं, कोई और रूह जी रही है.

106

जिद पर आगए हम, समझो हमारे वज़ूद पर आगए हम,
तेरी कसम चारों तरफ फिर होंगे, हम ही हम.

107

ज़ज्बात जवा तो दिल जवा,
और जब दिल जवा,
तो ज़रूरी कहा कोई दवा.

108

चहरे और किताबे पढ़ ली कई,
और आँखे रोज़ रोज़ नई,
लेकीन दिल मे है बसी,
आँखे और चहेरा, आज भी वहीं.

109

जोश के साथ ज़ज्बात का करीना हो माहिर जिसका,
शायरी ए सफ़ीना होता है, मशहूर उसका.

110

ये सोच कर मैं, तुझे भी है प्यार,
साथ समंदर तैर गया,
है तू गुम यही कहीं,
ये सोच कर मैं, सारा समंदर पी गया,
पता चला के, मैं नहीं,
तेरी अंखियों का समंदर मुझे पी गया,
के तुझे भी, है प्यार ये सोच कर,

सात समंदर तैर गया.

111

सोच के बोलते है, तौल के नही.,
कडवाहट होगी जरुर जिह्वापे,
दिल में नही.

-Spark Giri

कुच कविताए.

1

शायर का Bio

सभी से निवेदन है, हमे ना सुलझाओ,
क्यों कि,
हमारा उलझना ही हमारा सुलझाना है,
हमे सुलझा कर ना ही उलझाओ तो अच्छा है
क्यों कि,
एक बार जो हम उलझ गए तो फिर,
कभी ना सुलझ पाएंगे,
क्यों कि,
हमारा उलझना ही हमारा सुलझाना है.

- Spark Giri

2

भारत के सिपाही

वंदे मातरम
वंदे मातरम वंदे मातरम
जो दुश्मनों का करदे खातमम
और सबको कर दे परास्तम
सिपाही ऐसे है हमारे वीरोत्तम
जो ना कभी चुके
और ना ही कभी झुके
उनके आगे तो हवा भी रुके
और आग भी बुझे
पानी को भी आगे का रास्ता ना सुजे
गर्व है भारत के एसे सिपाहीओ पे मुझे.

-Spark Giri

3

यु ही बरसो गुजर जाएंगे

यु ही बरसो गुजर जाएंगे,
और कुछ न कर पाएंगे,
जो तुझसे इजहार न कर पाएंगे
तो जरूर जान अपनी गंवा देंगे,
बाद तुझे ख़्वाबों में ही देख पाएंगे,
बाद मरने के, आँखे जो न खोल पाएंगे,
और यु ही शदियाँ गुजर जाएगी,
जो तुझसे मोहब्बत न हो पाएगी,
रूह मेरी यु ही तड़पती रह जाएगी
जो दूसरे जहामे, तू न मिल पाएगी.

- Spark Giri

4

महगाई

देखिए महंगाई केसे बढ़ाती है सरकार
और अपने ही

चुने
लगाते हैं बिना पान के हमे रगड़
रगड़ के चुना
और हमारे सपनों का कर
देते हैं चूरे चुरा
फिरभी अंध भक्तों का दिल
कभी ना भरा
अब तो डर है कि बरबाद ना
हो जाए हमारा

हिन्दुस्तान हरा भरा
क्या इतनी अंधी हे जनता, की
देख नहीं सकती
डूबती हुई
हिन्दुस्तान की कश्ती
अरे भ्रष्टाचार के जीती जागती मिसालों,
अब ज्यादा देर नहीं टिकेगी,
तुम्हारी हस्ती.

गोदी मीडिया को मारो गोली
अब तो बोलो खुद की बोली
जागो जनता जागो,
वर्ना घर खाली हो जाएंगे हमारे,
और ये भ्रष्ट लोग भर जाएंगे झोली
अब के जनता नहीं जगी तो ये लोग,
खेलेंगे हमारे ही खून की होली.

-Spark Giri

5
गुमनाम शायर

शायरों की बस्ती में हमे ना मिली पहचान अभी तक,
गुमनाम शायर ही सही लेकिन,
हम भी पहुंच गए हैं, दिल की गहराईओ तक.
हम;भी, उभरेंगे एक दिन बन के सितारे,
तब और भी सितारे चमकेंगे हमारे; सहारे,
हम गुमनाम शायर ही सही, लेकिन
हम भी पहुंच गए हैं, दिल की गहराईओ तक.
तब रहेगा न किसी को कोई भी शक,
काम कुछ एसा कर जायेंगे बेशक,
किसी गुमनाम को उठानी न पड़ेगी जहमत इतनी,
गुमनाम से दिल की गहराइयों तक हमने उठाई है जितनी.

-Spark Giri

न जाने कहां कब,
होगी तुझसे मुलाकात,
न जाने कहां कब,
सोएगी ये जुदाई की रात.
— Spark Giri
YourQuote.in

ये जो तेरे अंखियों की रंगत है
यही तो मेरे नशे की संगत है
क्या बताऊ और तुझे मे साकी
ये दुनियां में तेरे सिवा मेरा और,
कहा कोई अंगत है.

— Spark Giri

YourQuote.in

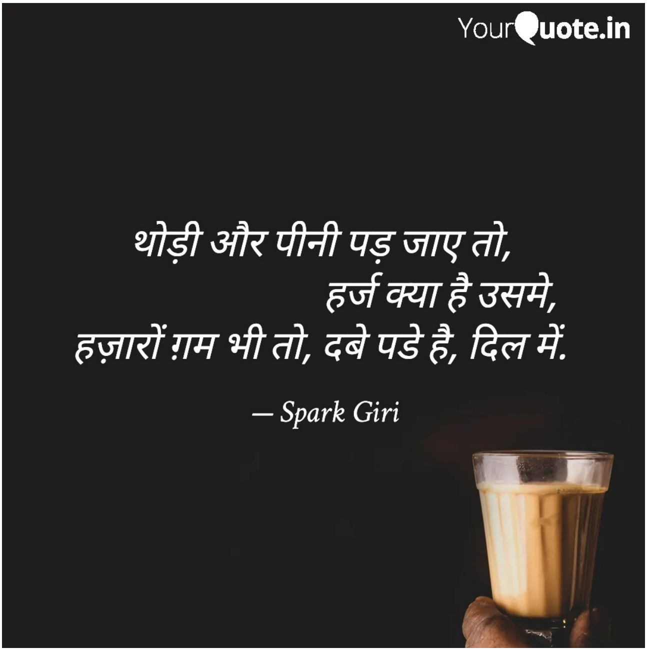
YourQuote.in
थोड़ी और पीनी पड़ जाए तो,
हर्ज क्या है उसमे,
हज़ारों ग़म भी तो, दबे पडे है, दिल में.
— Spark Giri

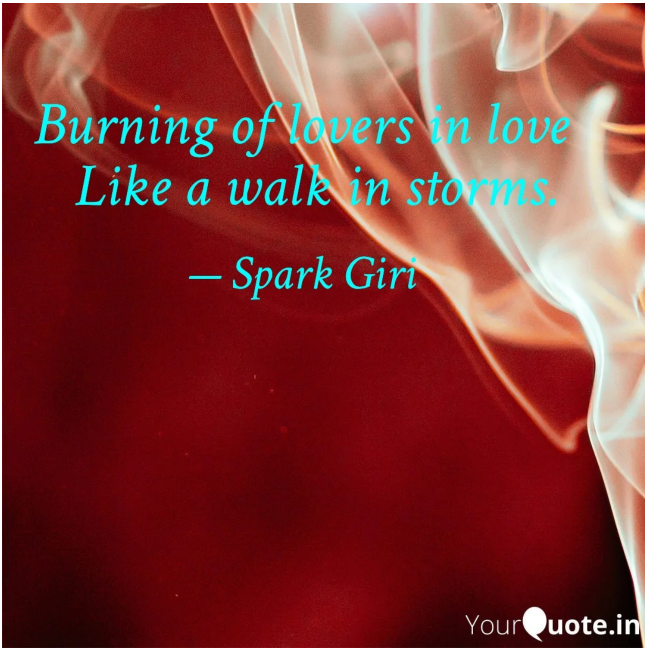
Burning of lovers in love
Like a walk in storms.
— Spark Giri
YourQuote.in

जंगे मैदान में होवे न उस योद्धा की हार,
बल के साथ बुद्धि भी हो,जिस का प्रहार.
— Spark Giri
YourQuote.in

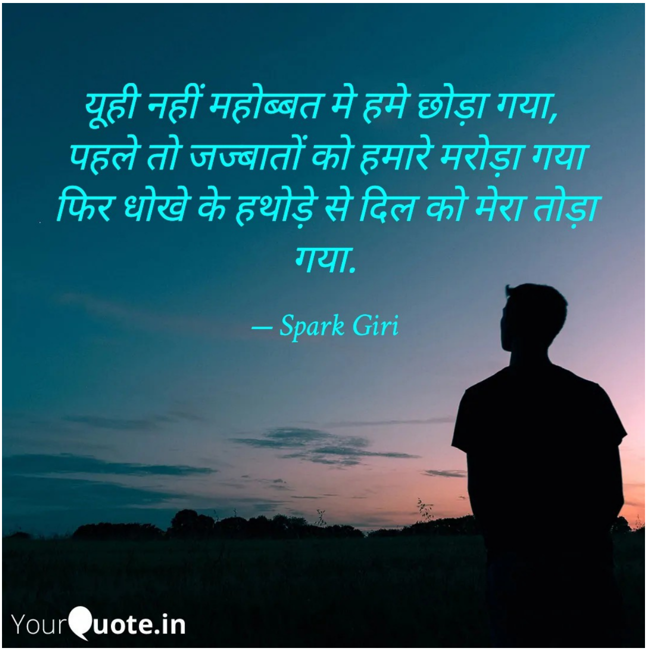
यूही नहीं महोब्बत मे हमे छोड़ा गया,
पहले तो जज्बातों को हमारे मरोड़ा गया
फिर धोखे के हथोड़े से दिल को मेरा तोड़ा गया.
— Spark Giri
YourQuote.in

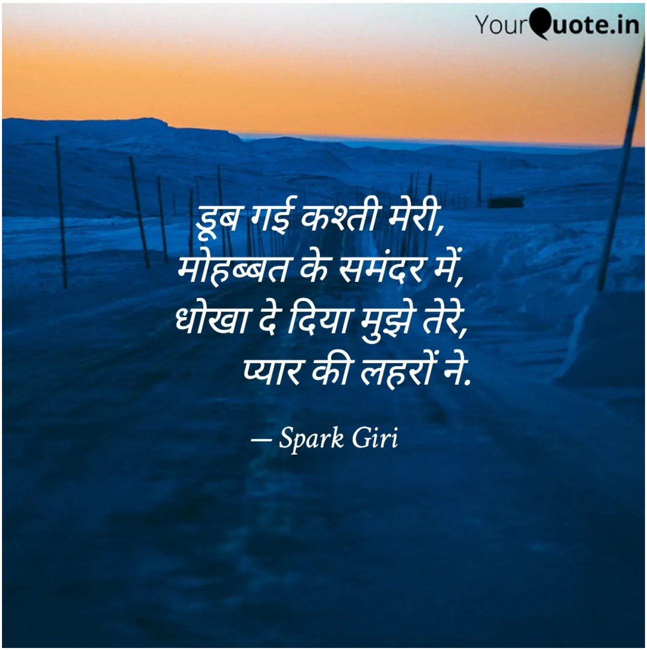
YourQuote.in
डूब गई कश्ती मेरी,
मोहब्बत के समंदर में,
धोखा दे दिया मुझे तेरे,
प्यार की लहरों ने.
— Spark Giri

आसमान में चमकता कोई,
सितारा मिला,
महोब्बत मे मेरी कश्ती को,
तेरा सहारा ना मिला.
— Spark Giri
YourQuote.in

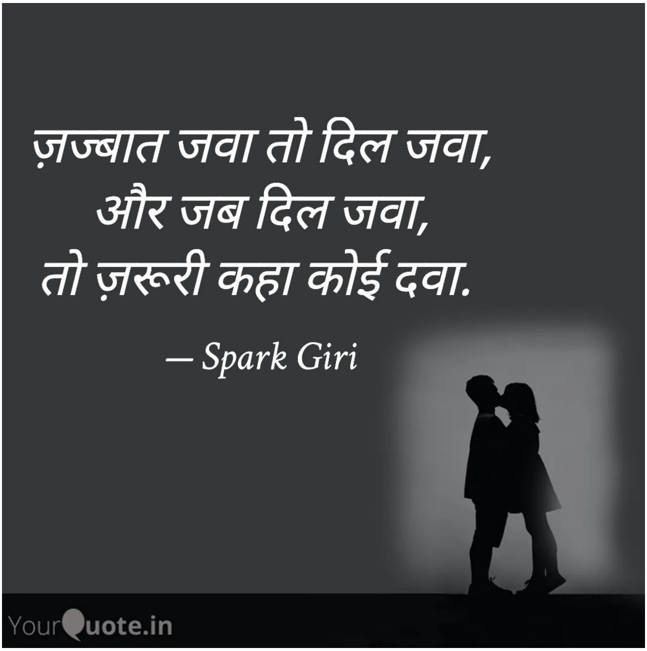
ज़ज्बात जवा तो दिल जवा,
और जब दिल जवा,
तो ज़रूरी कहा कोई दवा.
— Spark Giri
YourQuote.in

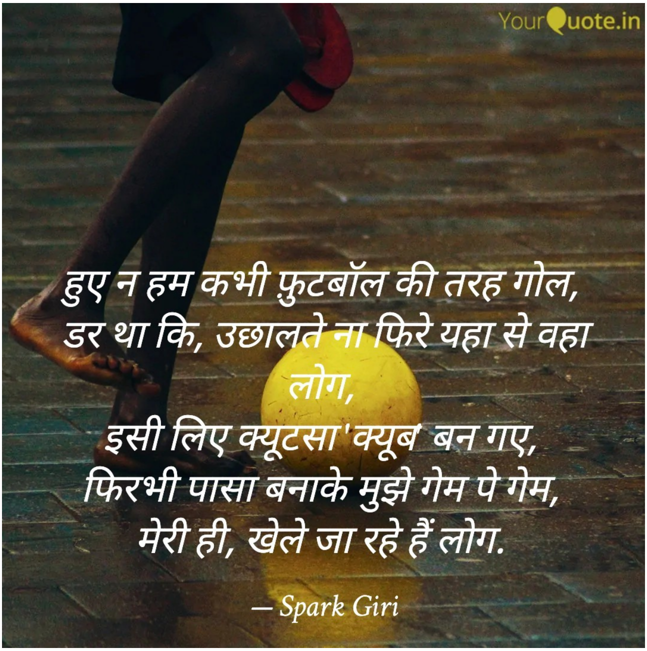
YourQuote.in
हुए न हम कभी फुटबॉल की तरह गोल,
डर था कि, उछालते ना फिरे यहा से वहा
लोग,
इसी लिए क्यूटसा 'क्यूब' बन गए,
फिरभी पासा बनाके मुझे गेम पे गेम,
मेरी ही, खेले जा रहे हैं लोग.
— Spark Giri

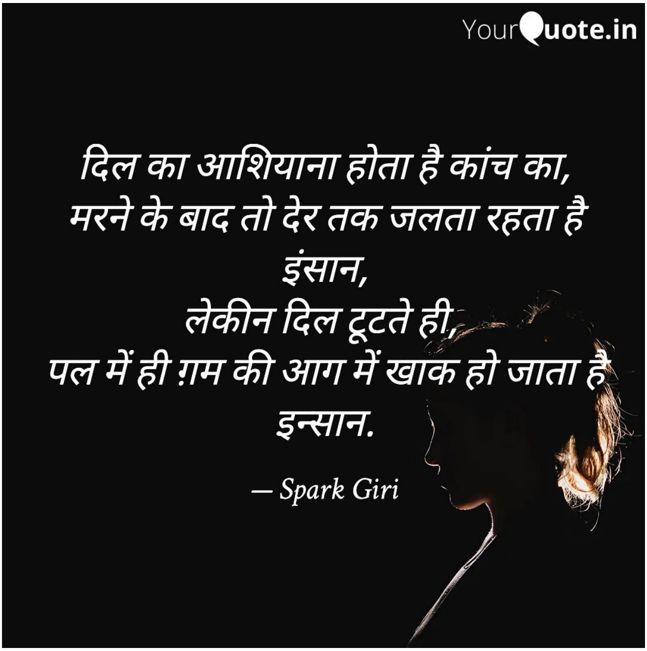
YourQuote.in
दिल का आशियाना होता है कांच का,
मरने के बाद तो देर तक जलता रहता है
इंसान,
लेकीन दिल टूटते ही,
पल में ही ग़म की आग में खाक हो जाता है
इन्सान.
— Spark Giri

ना जाने फिर कब, जगेगी किस्मत मेरी,
और ना जाने कब, करीब आना होगा तेरे
इसी इंतजार में रुक ना जाए कहीं,
सांसो के फेरे
— Spark Giri
YourQuote.in

दिल को दुनिया का दस्तूर नहीं आता,
क्या करू बेईमानो सा हुनर नहीं आता.
— Spark Giri
YourQuote.in

यूही नहीं महोब्बत मे हमे छोड़ा गया,
पहले तो जज्बातों को हमारे मरोड़ा गया
फिर धोखे के हथोड़े से दिल को मेरे तोड़ा गया.
— Spark Giri
YourQuote.in

कातिल नजरो के मांझे से,
पहले तो पतंग को हवा डाली,
जब इश्कके आसमानों की ऊंचाईओ पर
पतंग उड़ी तो,
बेफाने धोखे के खंजर से काट डाली.

— *Spark Giri*

YourQuote.in

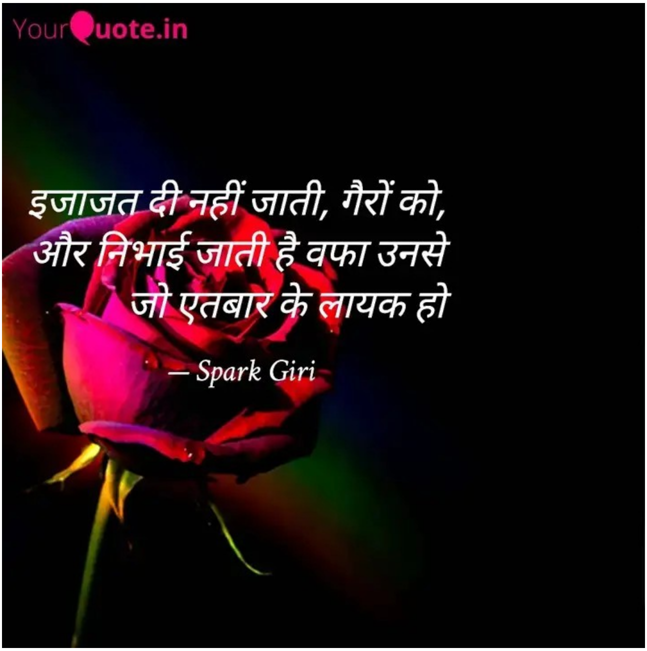
YourQuote.in
इजाजत दी नहीं जाती, गैरों को,
और निभाई जाती है वफा उनसे
जो एतबार के लायक हो
— Spark Giri

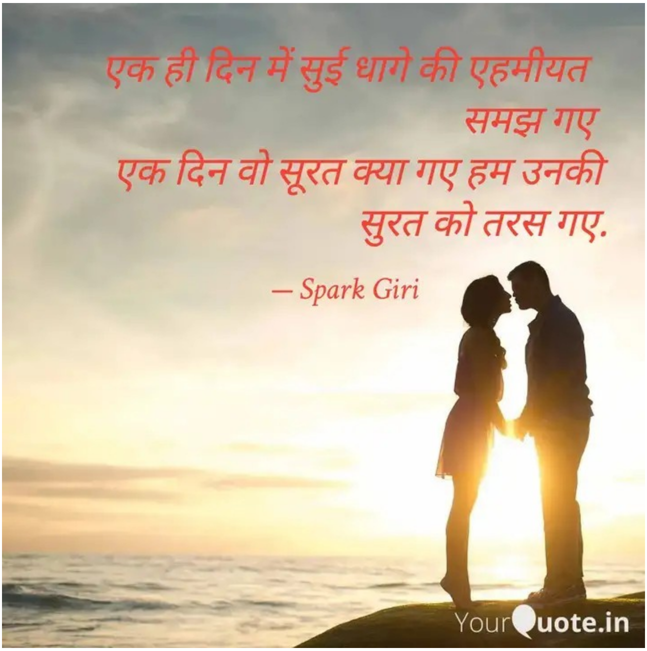
एक ही दिन में सुई धागे की एहमीयत
समझ गए
एक दिन वो सूरत क्या गए हम उनकी
सुरत को तरस गए.
— Spark Giri
YourQuote.in

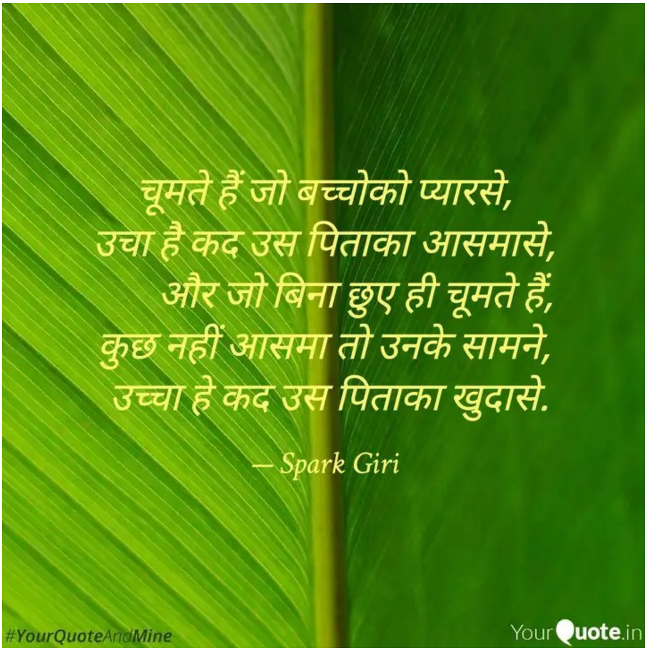
चूमते हैं जो बच्चोको प्यारसे,
उचा है कद उस पिताका आसमासे,
और जो बिना छुए ही चूमते हैं,
कुछ नहीं आसमा तो उनके सामने,
उच्चा हे कद उस पिताका खुदासे.
— Spark Giri
#YourQuoteAndMine
YourQuote.in

नोच लेवांगा सारी वो अखिंया
सामने मेरे वतन के जो बनी रुखीया,
खुदका गुलिस्तान कीया कब्रिस्तान,
मेरे वतन के रास्ते,
बनाऊ मे खुदके चमडीकी जुतीया,
ऐसे मेरे शहिदो के वास्ते.
— Spark Giri
YourQuote.in

यू ही में जज्बाती नहीं हू,
खून जल कर, आंसू बन निकल आता है
जब कोई दुखी नजर आता है

— *Spark Giri*

YourQuote.in

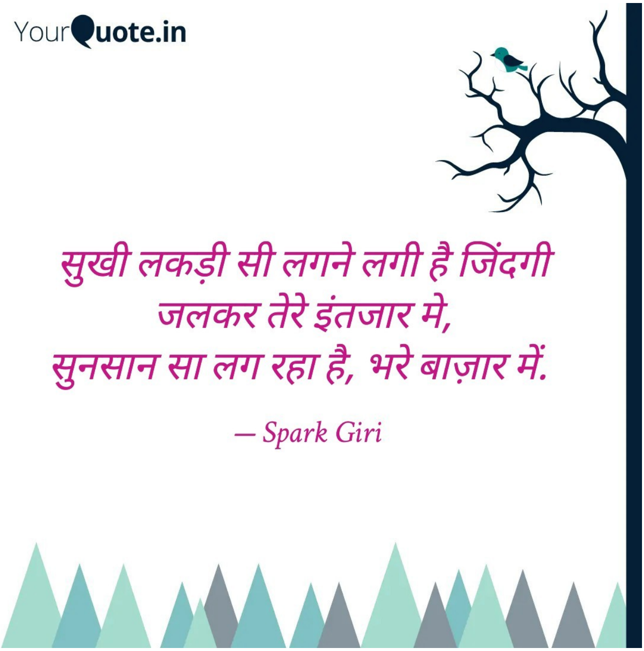
YourQuote.in
सुखी लकड़ी सी लगने लगी है जिंदगी
जलकर तेरे इंतजार मे,
सुनसान सा लग रहा है, भरे बाज़ार में.
— Spark Giri

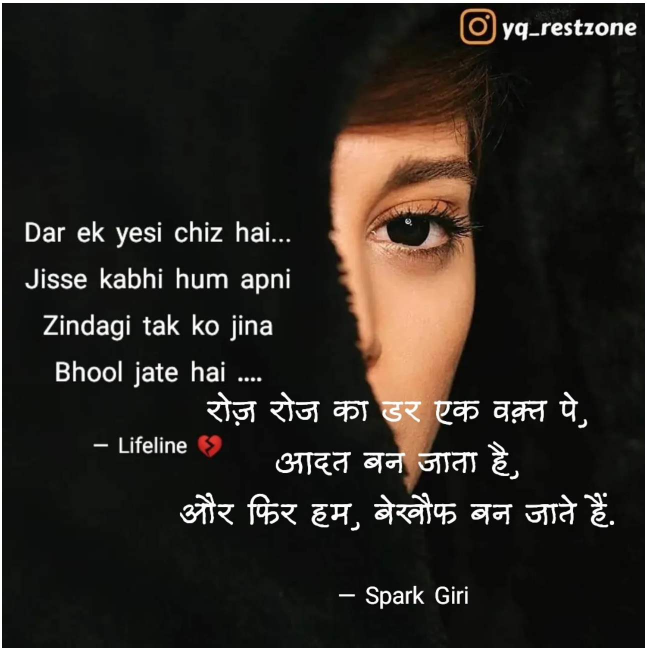
yq_restzone
Dar ek yesi chiz hai...
Jisse kabhi hum apni
Zindagi tak ko jina
Bhool jate hai ....
— Lifeline
रोज़ रोज का डर एक वक़्त पे,
आदत बन जाता है,
और फिर हम, बेखौफ बन जाते हैं.
— Spark Giri

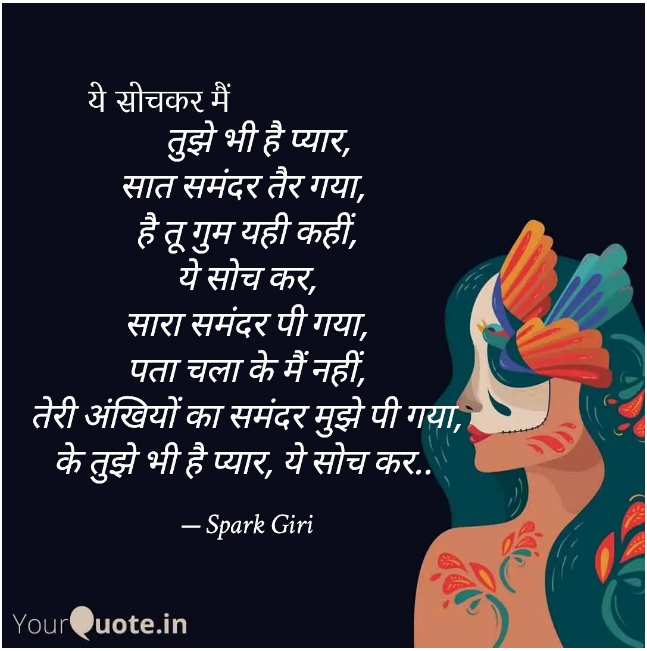
ये सोचकर मैं
तुझे भी है प्यार,
सात समंदर तैर गया,
है तू गुम यही कहीं,
ये सोच कर,
सारा समंदर पी गया,
पता चला के मैं नहीं,
तेरी अंखियों का समंदर मुझे पी गया,
के तुझे भी है प्यार, ये सोच कर..
— Spark Giri
YourQuote.in

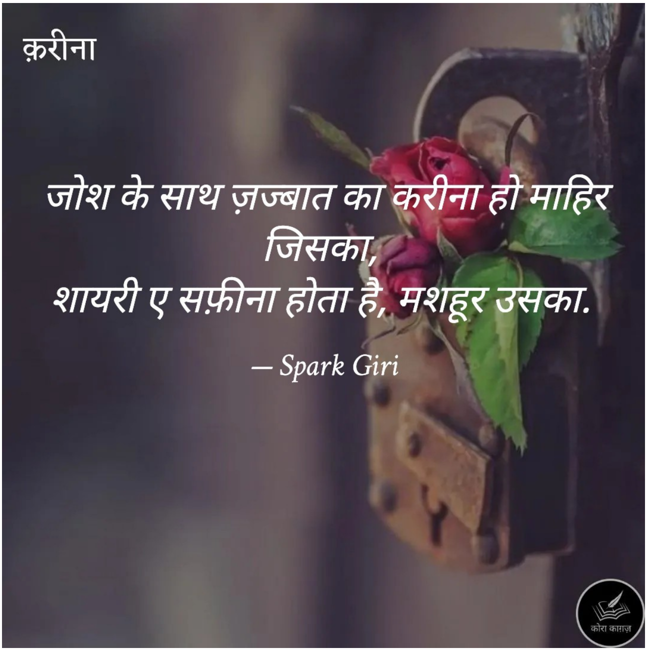
क़रीना
जोश के साथ ज़ज्बात का करीना हो माहिर जिसका,
शायरी ए सफ़ीना होता है, मशहूर उसका.
— Spark Giri
कोरा काग़ज़

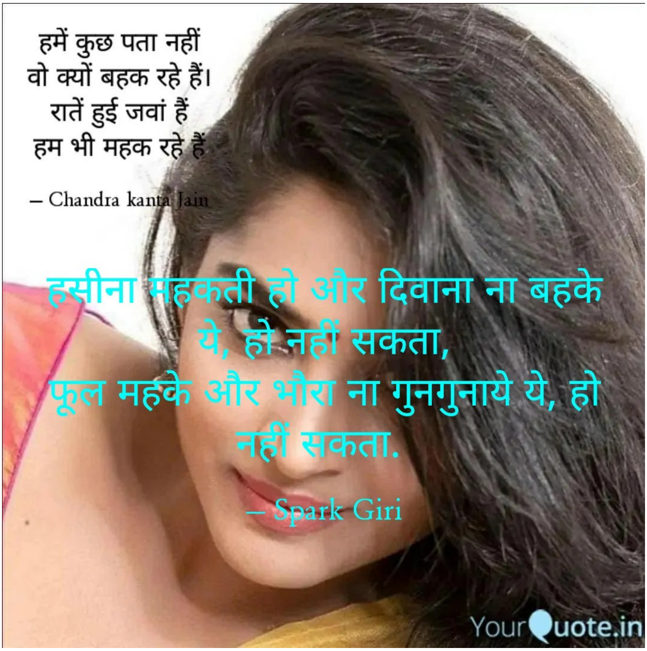
हमें कुछ पता नहीं
वो क्यों बहक रहे हैं।
रातें हुई जवां हैं
हम भी महक रहे हैं
– Chandra kanta Jain
हसीना महकती हो और दिवाना ना बहके ये, हो नहीं सकता,
फूल महके और भौरा ना गुनगुनाये ये, हो नहीं सकता.
– Spark Giri
YourQuote.in

सवाल तो आज भी वहीं है, जो मुझे सताता है,
लेकीन, दौर एसा चल रहा है यारों,
जिसका रहा नहीं मेरे जेहन मे ख्याल,
क्या करूंगा अगर मिल भी जाये, वो सवाल - जवाब.

— *Spark Giri*

YourQuote.in

Foreword

Write or paste your content here…

Contents